विश्व की सबसे बड़ी अनाज भंडारण योजना

चर्चा में क्यों?

हाल ही में **विश्व की सबसे बड़ी अनाज भंडारण योजना** के लिये **राष्ट्रीय स्तरीय समन्वय समिति (NLCC)** की पहली बैठक नई दिल्ली में हुई।

- इस योजना में प्राथमिक कृषि ऋण समितियों (PACS) को **बहु-सेवा समितियों में परिवर्तित** करने की परिकल्पना की गई है।

मुख्य बिंदु:

- पायलट परियोजना को **राष्ट्रीय सहकारी विकास निगम (NCDC)** द्वारा राष्ट्रीय कृषि और ग्रामीण विकास बैंक (NABARD), भारतीय खाद्य निगम (FCI), केंद्रीय भंडारण निगम (CWC), नाबार्ड परामर्श सेवाएँ (NABCONS) के सहयोग से संबंधित राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों के समन्वय से **कार्यान्वित किया गया** है।
    - NCDC **नई दिल्ली स्थित अपने प्रधान कार्यालय** और अनेक क्षेत्रीय कार्यालयों के माध्यम से कार्य करता है।
        - NCDC की स्थापना वर्ष 1963 में संसद के एक अधिनियम द्वारा**कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय के** तहत एक **सांविधिक निगम के रूप में** की गई थी।
- **समिति ने 11 राज्यों में अपनी पायलट परियोजना के कार्यान्वयन की स्थिति की समीक्षा की,** जिसे वर्ष 2023 में शुरू किया जाना है।
    - उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, राजस्थान, गुजरात, महाराष्ट्र, तमिलनाडु, कर्नाटक, असम, त्रिपुरा, उत्तराखंड और तेलंगाना राज्यों ने इसकी **पायलट परियोजना को क्रियान्वित किया है।**
- योजना में विभिन्न मौजूदा योजनाओं के अभिसरण के माध्यम से **PACS** स्तर पर विभिन्न कृषि बुनियादी ढाँचे के निर्माण की परिकल्पना की गई है, जिसमें गोदाम, कस्टम हायरिंग सेंटर, प्रसंस्करण इकाइयाँ, उचित मूल्य की दुकानें आदि शामिल हैं:
    - **कृषि अवसंरचना कोष (AIF), कृषि विपणन अवसंरचना योजना (AMI), कृषि मशीनीकरण उप मिशन (SMAM), प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य प्रसंस्करण उद्यम औपचारिकीकरण योजना (PMFME) आदि।**

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/world-s-largest-grain-storage-plan-1